शोध परिधि
SHODH PARIDHI

साहित्य, कला संस्कृति, मानविकी एवं समाज विज्ञान की
द्विभाषिक षट्मासिक अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका

ISSN : 2349-9575

Volume : 2 Issue : 3 / 2015

मुख्य संरक्षक
श्रीयुत गोपाल दास 'नीरज'

प्रधान सम्पादक
डॉ. जोत सिंह

सम्पादक
डॉ. मंजू चौहान

सह सम्पादक
डॉ. किशोर कुमार
डॉ. हरिन्द्र कुमार

सह सम्पादक
डॉ. सत्यन्त कुमार
डॉ. कनक कुमार

प्रबन्ध सम्पादक
डॉ. अर्चना सिंह
डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा

शोध परिधि - प्रेरणा साहित्य समिति हापुड़ (रजि.)-245101
एवं 80 'जी' से पंजीकृत (उ.प्र.) भारत द्वारा प्रकाशित

Scanned by CamScanner

शोध परिधि ISSN 2349-9575
साहित्य, कला, संस्कृति, मानविकी एवं समाज विज्ञान की
द्विभाषिक सन्दर्भित अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका

आधुनिक कथा संग्रह 'इक्षुगन्धा' में नारी संवेदना

डॉ० नीलम शर्मा
असि.प्रो. संस्कृत विभाग
कु.मा.राज. महिला स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, बादलपुर, गौ0बुद्धनगर

शोध सारांश

आधुनिक काल में विषयगतदृष्टि से समसामयिक पक्षों और समस्याओं पर साहित्य सृजन की प्रवृत्ति प्रधान रही है। यही प्रवृत्ति प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र रचित कथा संग्रह 'इक्षुगन्धा' में परिलक्षित होती है। आधुनिक कथासंग्रह इक्षुगन्धा में ८ कथाएँ हैं, जो मुख्यतः नारी समस्याओं से सम्बद्ध हैं। नारी की विविध संवेदनाओं, मनोदशाओं और समस्याओं को कथाकार में लघुकथाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया है और यथासंभव समाधान प्रस्तुतीकरण द्वारा कथाओं की सुखान्त परिणति की है।

आधुनिक संस्कृत साहित्य की प्रवृत्ति एवं परिदृश्य वैविध्यमय है। इसमें विषयों की बहुविधता, रचना प्रक्रिया, भाषा और शैलीगतनवीन प्रयोग, समकालीन समस्याओं का मर्मस्पर्शी चित्रण, युगानुकूल चेतना और राष्ट्रीय स्वर आदि विभिन्न प्रवृत्तियाँ दृष्टिगत होती हैं। आधुनिक साहित्यकार अपनी रचनाओं को काल्पनिक कथानक व रूढ़ियों से मुक्तकर जीवन को यर्थाथ भूमि देने में संलग्न हैं। विषय के दृष्टिकोण से जहाँ समसामयिक पक्षों में सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, राजनैतिक परिवेश और परिवर्तन को प्रकाशित किया गया है, वहीं समाज में व्याप्त ज्वलन्त समस्याओं, रूढ़ियों, कुरीतियों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया गया है। इसी संदर्भ में ना समस्याओं पर भी यत्किंचित् साहित्य सृजन हुआ है जिसमें आधुनिक कथासंग्रह 'इक्षुगन्धा' महत्वपूर्ण है। संस्कृत साहित्य के आधुनिक कवि एवं कथाकार अभिराज राजेन्द्र मिश्र विरचित 'इक्षुगन्धा' कथासं की कथाएँ मूलतः नारी विमर्श अथवा नारी संवे से सम्बन्धित हैं।

बहुविध पदवियों पदों और पुरूस्कारों सम्मानित प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र रचित सा भण्डार विशाल और विविध है। अर्वाचीन सं की जीवन्तता, रचनाधर्मिता और समृद्धि में उ अमूल्य अवदान है। आधुनिक वाङ्मय को महत्व